फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद - 121001

नई सीरीज नम्बर 331 1/– जनवरी 2016

हजारों-लाखों के बीच बातचीतें

सैक्टर-25 में अन्दर जाने वाले
नाइट से छूटने वाले
100 से ज्यादा वरकर
पाँच-छह ग्रुपों में
फैक्ट्री गेट पर मजदूर समाचार पढने लगे।

पृथला, मानेसर, गुड़गाँव, फरीदाबाद में दिसम्बर में
फैक्ट्रियों में हलचलें बहुत।
चार हजार और छापने पड़े
मजदूर समाचार की 17,000 प्रतियाँ
कम पड़ी।

इलाके में बीस-पच्चीस हजार चाहियें
बाँटने में कुछ और लोग सहयोग करें तो
आसानी से कर सकते हैं।

इतनी बातें
इतने किस्म की बातें
इतने लोगों से बातें !
मजा आ गया !!

पीस रेट टेलरों ने
एक फैक्ट्री में 5 तारीख को काम बन्द किया
6 को कम्पनी की दो और फैक्ट्रियों में काम बन्द कर दिया
7 तारीख को दो और में
फिर 8 को दो और में पीस रेट वालों ने काम बन्द किया।

तत्काल पता चल जाता है।
बहुत जल्दी तालमेल कर लेते हैं।

काम डाउन है
बाद में बढायेंगे
ये बातें नहीं चली।

लन्च के बाद एक घण्टे बन्द करना,
दो घण्टे बन्द करना, चार घण्टे बन्द करना।
फैक्ट्री में प्रवेश ही नहीं करना।
पूरे दिन काम बन्द !

फिर बनानी पड़ी
नई पे-स्लिप बनानी पड़ी।

कुछ बढाये,
हैड आफिस में कुछ से समझौता किया।
काम नहीं आया।
कम्पनी की पाँचों फैक्ट्रियों में
पाँच-पाँच, दस-दस की टोलियों में मजदूर
रोज साहबों के कान खाने लगे।
हाथ जोड़ कर साहबों ने वरकरों की मानी।

ठेकेदार की आड़
यूनियन की चाल
ये कारतूस नहीं चले।

हेराफेरियाँ फौरन पकड़ी।
ऑपरेटर खूब सक्रिय।

तनखा लेने से इनकार।
ओवर टाइम करना बन्द।
बदल-बदल कर बड़ी सँख्या में छुट्टी करना।
रोज एक-दो घण्टे काम बन्द।
लन्च के समय हँगामा।

कम्पनी की एक फैक्ट्री में काम बन्द करना
दूसरी फैक्ट्री में वरकरों का मैनेजर के पास जाना।

कह कर मुकरने पर
टी-ब्रेक में
लन्च ब्रेक में
गूँगी बैठकें
और एकत्र हो कर बार-बार एच. आर. विभाग जाना
असरदार, कारगर।

न्यूनतम वेतन पर चर्चा
44 हजार या 48 हजार
व्हाट्स एप पर फैलती बातें
औद्योगिक क्षेत्र बन्द करना जरूरी।

सुन कर अच्छा लगा।

असंगत बन गये है

इण्डो ऑटो टेक (132-133 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 700 वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। नवम्बर की तनखा पुराने ग्रेड से दी, मजदूरों के एतराज पर साहब लोग बोले कि कम्पनी को कोई नोटिस नहीं आया है।

सायवाना एक्सपोर्ट (बी-35 ओखला फेज-1, दिल्ली) फैक्ट्री में दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन नहीं, हैल्परों की तनखा 8300 रुपये और 400 से ज्यादा टेलरों को 45 रुपये प्रति घण्टा। रोज 10½ घण्टे ड्युटी, ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से।

पैरामाउन्ट पोलीमर (60 सैक्टर-25, फरीदाबाद) फैक्ट्री में हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन नहीं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से और घण्टों में गड़बड़ी। नवम्बर में नये ग्रेड के लिये मजदूर बोलने लगे तो मैनेजमेन्ट ने दस दिन फैक्ट्री बन्द कर दी।

हाई टेक गियर (24, 25, 26 सैक्टर-7, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 300 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में मर्सीडीज, बी एम डब्लू कारों के पुर्जे बनाते हैं। ओवर टाइम सिंगल रेट से। नवम्बर में नया न्यूनतम वेतन नहीं दिया। एच आर वाले बोले कि अभी प्रोब्लम है, बड़े साहब ने अभी स्वीकृति नहीं दी है, दो-तीन महीने बाद देंगे, नवम्बर से एरियर के साथ देंगे।

के के लेबल (18 डी एस आई डी सी स्कीम-1, ओखला फेज-2, दिल्ली) फैक्ट्री में मशीन रूम ऑपरेटरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट, रविवार को दिन में ही काम, ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन नहीं, ऑपरेटरों की तनखा 7000-8000 रुपये। ***वी एम इन्डस्ट्रीज*** (269 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में नवम्बर की तनखा 30 दिसम्बर तक नहीं। मारुति सुजुकी और हीरो का काम। साहब कहते हैं कि नया न्यूनतम वेतन नहीं दे सकते।

अनसुन मल्टीटेक (बी-123 और बी-141 ओखला फेज-1, दिल्ली) फैक्ट्रियों में 12-12 घण्टे की शिफ्ट। दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन नहीं, 12 घण्टे रोज पर 30 दिन के 9000 और 10,000 रुपये। तीन दिन 2013 और तीन दिन 2014 में मजदूरों ने काम बन्द किया।

ब्ल्यूपीटर होराइजन (45 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 27 पावर प्रैस, 250 वरकर 8, 10, 12 घण्टे की शिफ्टों में। नवम्बर की तनखा में नया ग्रेड नहीं दिया, एच आर वाले बोले कि सरकार को लिख कर दिया है, नया ग्रेड जनवरी से है। वरकरों ने मजदूर समाचार दिखाया तो साहब लोग बोले कि यह बकवास है।

सुरक्षाकर्मी

प्रो-इन्टरएक्टिव गार्ड : "दवाब डाला। नवम्बर का एरियर भी देंगे। गार्ड को अब 8 घण्टे रोज पर 26 दिन के 7980 रुपये। चार रविवार के पैसे अलग से। लेकिन ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से ही। ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर, रोज 12 घण्टे पर 30-31 दिन के 13,000 रुपये।"

ग्लोब सेक्युरिटी गार्ड : "गुड़गाँव में सप्लाई किये गार्डों की नवम्बर में तनखा कहीं बढाई है और कहीं नहीं बढाई। नगाटा फैक्ट्री (154-155 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) में गार्डों के पैसे नहीं बढाये जबकि कम्पनी से बढी हुई राशि ले ली।"

सेन्टिनल सेक्युरिटी गार्ड : " ओखला फेज-1, दिल्ली में 17 जगह गार्ड सप्लाई के कान्ट्रैक्ट हैं। करीब 150 गार्ड, सब 12-12 घण्टे की शिफ्टों में। साप्ताहिक अवकाश नहीं। ई एस आई तथा पी एफ की राशि काट कर, 12 घण्टे रोज पर गार्ड को 30-31 दिन के 10,500-12,000 रुपये।"

ग्रुप 5 सेक्युरिटी गार्ड : " कम्पनी के 300 गार्ड कई फैक्ट्रियों में ड्युटी कर रहे हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की। साप्ताहिक अवकाश नहीं। ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। रोज 12 घण्टे और महीने के 30-31 दिन ड्युटी के गार्ड को 8000 रुपये।"

ग्रेसिया सेक्युरिटी गार्ड : " दिल्ली में न्यू फ्रैन्ड्स कॉलोनी में कार्यालय। कम्पनी 250 गार्ड सप्लाई करती है। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की। साप्ताहिक अवकाश नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे पर 30-31 दिन के गार्ड को 8000 रुपये।"

और बातें यह भी

इण्डो ऑटो टेक (261 सैक्टर-24, फरीदाबाद) फैक्ट्री चारों तरफ से ढकी है। वैल्डिंग का बहुत काम और लेजर मशीन तथा प्लाज्मा कटिंग मशीन चौबीसों घण्टे चलती हैं। फैक्ट्री हर समय धुँये से भरी रहती है, थूकते हैं तब काला थूक निकलता है। ए टी एम से तनखा गायब हो जाती है, 15 के साथ ऐसा हो चुका है। कम्पनी ने जबरन खाते खुलवाये हैं पर कहती है कि उसकी कोई जिम्मेवारी नहीं है, मामला बैंक का है। और, बैंक कुछ नहीं करते। जे सी बी, टेरेक्स, न्यू हालैण्ड, क्लास, मारुति सुजुकी वाहनों के कल-पुर्जे बनाते हैं। जगह-जगह कैमरे लगा रखे हैं।

ऑटो लिव (203-204 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में भोजन बहुत खराब। टॉयलेट जाने पर पाबन्दी। रविवार को बुलाते हैं पर ओवर टाइम नहीं देते, बदले में छुट्टी भी कम्पनी की मर्जी से। नवम्बर में नया ग्रेड लागू नहीं किया।

फिरंगी (गली 11, तुगलकाबाद, दिल्ली) फैक्ट्री में साप्ताहिक अवकाश नहीं, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। ठेकेदार 15 अगस्त को भाग गया। किये काम के पैसे कम्पनी नहीं देगी, ठेकेदार को ढूँढो। शिकायत पर पुलिस आई और चली गई। तब 54 वरकर एक यूनियन से मिले, प्रत्येक से 370 रुपये सदस्यता के लिये। नेता की शिकायत पर लेबर इन्सपैक्टर फैक्ट्री पहुँचा, मजदूरों को पैसे देने की बात कम्पनी ने लिख कर दी। फिनिशिंग वरकरों के 12 घण्टे के 450 और टेलरों के 500 रुपये अनुसार हिसाब बना कर मैनेजमेन्ट ने लिफाफों में रखा। दो यूनियन लीडर पहलवानों को ले कर फैक्ट्री के अन्दर गये और हर लिफाफे में से 3000-4000 रुपये निकाल लिये।

अल्फा टोयो/ निक्को ऑटो (9 जी तथा 9 एच, सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्रियों का गेट एक, टाइम ऑफिस एक, बस रजिस्टर अलग-अलग। यहाँ 80 स्थाई मजदूर और ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 400 वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में हीरो, यामाहा, मारुति सुजुकी के होर्न एवं दर्पण बनाते हैं। महीने में 200 घण्टे तक ओवर टाइम। स्थाई मजदूरों की पे-स्लिप में ओवर टाइम नहीं दिखाते। वाउचर पर ओवर टाइम के 150 घण्टे हैं तो 75 लिखते हैं और भुगतान दुगुनी दर से दिखाते हैं। ठेकेदार के जरिये रखे 400 को नवम्बर की तनखा 7600 रुपये दे दी — 10 महिलाओं की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। स्थाई मजदूरों में कई को नवम्बर की तनखा 6100-6500 रुपये दी...... अप्रैल 2015 में हो जाने वाले यूनियन-मैनेजमेन्ट समझौते पर श्रम विभाग में वार्तायें अभी भी चल रही है। कम्पनी की भगवानपुर (हरिद्वार) फैक्ट्री में 4-5 महीने पहले मजदूरों ने 3-4 दिन काम बन्द कर 1800 रुपये बढवाये — ग्रुप की पाँच फैक्ट्रियों में जो होता है उसकी जानकारी मजदूरों को तत्काल हो जाती है।

वीयरवेल (बी-134 ओखला फेज-1, दिल्ली) फैक्ट्री में एक वर्ष का पी एफ कम्पनी ने जमा नहीं किया था। मजदूरों ने सितम्बर में चार दिन लन्च बाद काम बन्द किया। कम्पनी ने चार महीने का समय माँगा था और कहा था कि 31 दिसम्बर तक फण्ड के सब पैसे जमा कर देंगे। आज 2 जनवरी तक मजदूरों को इस बारे में सूचना नहीं मिली है।

बोनी पोलीमर (सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्री में स्थाई मजदूरों ने नवम्बर में तनखा बढवाने के लिये कदम उठाने की बातें की तो यूनियन बोली कि तनखा पहले ही न्यूनतम से ज्यादा है, यूनियन साथ नहीं देगी।

हरियाणा सरकार द्वारा 1 नवम्बर 2015 से निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक 7600 रुपये मासिक

उच्च कुशल श्रमिक 9700 रुपये मासिक

दिल्ली सरकार द्वारा 1 अक्टूबर 2015 से निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक 9178 रुपये मासिक (8 घण्टे के 353 रुपये)

कुशल श्रमिक 11,154 रुपये मासिक (8 घण्टे के 429 रुपये)

करना, अधिक करना, औ

शिवालिक प्रिन्ट्स की प्लॉट 128 सैक्टर-24, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में पीस रेट टेलरों ने 5 दिसम्बर को सुबह 10 बजे रेट बढाने को कहा तो गर्मागर्मी हुई, एक साहब गिर गया, एक्शन की बात पर सब पीस रेट टेलरों ने काम बन्द कर दिया। अगले रोज, 6 दिसम्बर को कम्पनी की प्लॉट 231-232 सैक्टर-58 और प्लॉट 138 सैक्टर-24 के पीस रेट टेलरों ने भी काम बन्द कर दिया। फिर 7 दिसम्बर को शिवालिक प्रिन्ट्स की प्लॉट 7 सैक्टर-6 तथा प्लॉट 262 बी सैक्टर-24 वाली फैक्ट्रियों में पीस रेट टेलरों ने काम बन्द कर दिया। कम्पनी की प्लॉट 117 सैक्टर-4 और प्लॉट 21-22 सैक्टर-6 वाली फैक्ट्रियों में 8 दिसम्बर को पीस रेट टेलरों ने काम बन्द कर दिया। पहलेपहल यह वरकर सैक्टर-4, सैक्टर-6, सैक्टर-24, सैक्टर-58 में फैक्ट्रियों के पास एकत्र हुये और फिर एक स्थान पर इक्ट्ठे होने लगे। बसों द्वारा सैक्टर-58 से वरकर सैक्टर-24 के मोड़ पर उतरने लगे तब 9 दिसम्बर को पुलिस से झड़प भी हुई। तीन हजार से ज्यादा सिलाई कारीगर सैक्टर-24 के पार्क में एकत्र होने लगे। पीस रेट टेलरों द्वारा काम बन्द किये 10 दिन से ज्यादा हो गये तब कम्पनी ने रेट बढाये। शिवालिक प्रिन्ट्स फैक्ट्रियों में तनखा वाले टेलरों में भी इस दौरान हलचलें तेज रही। ए टी एम वालों के पैसे बैंक में भेज दिये, लेकिन नकद वालों ने 9700 से कम लेने से इनकार कर दिया। तनखा वाले टेलरों की गतिविधियाँ बढी। मैनेजिंग डायरेक्टर ने मीटिंग की। पैसे बढाये ।

मनीफोल्ड (138 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में नवम्बर की तनखा पुराने ग्रेड से दी तब मजदूरों ने एतराज किया। साहब बोले कि 25 दिसम्बर को एरियर देंगे। नहीं दिया। सब वरकर 28 दिसम्बर को साहब के पास गये।

वर्कशॉप वरकर : "मुजेसर, फरीदाबाद स्थित रिको ऑटो वर्कशॉप में काम करते 25 मजदूरों में पावर प्रैस चलाती 10 महिला मजदूर आगे हुई। सब लोग मैनेजर से बोले कि नया ग्रेड दो अन्यथा काम बन्द करेंगे। मैनेजर नया है, गुड़गाँव से आया है, तत्काल बोला कि नया ग्रेड देंगे।"

5 दिसम्बर को ***सेबरोस ऑटो इन्डस्ट्रीज*** में नवम्बर की तनखा पुराने ग्रेड से देने लगे तो मजदूरों ने पैसे लेने से इनकार कर दिया। सेबरोस ग्रुप की फरीदाबाद में सैक्टर-25, सैक्टर-58, सैक्टर-10 और आई एम टी मानेसर में फैक्ट्रियाँ हैं। किसी भी फैक्ट्री में 9 दिसम्बर तक तनखा नहीं ली तब हैड आफिस में बड़े साहब ने कुछ लीडर-टाइप वरकरों से मीटिंग की, बोले कि अभी काम डाउन है, बाद में बढायेंगे, अभी स्थाई के 1300 और ठेकेदारों के जरिये रखों के 1000 रुपये बढा देते हैं। मजदूरों ने 10 दिसम्बर को तनखा ले ली। फिर सेबरोस की हर फैक्ट्री में समूहों में मजदूरों ने मैनेजरों के पास जाना आरम्भ कर दिया। चार दिन में साहबों ने हाथ जोड़ कर नया ग्रेड देना स्वीकार कर लिया।

जे आर डी (291 सैक्टर-6, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में हैल्परों को नवम्बर की तनखा 7600 दी पर ऑपरेटरों के पैसे नहीं बढाये। प्रैस ऑपरेटरों ने 10 दिसम्बर को एक घण्टे काम बन्द किया।

गुप्ता एग्जिम की पृथला फैक्ट्री में टेलरों और चैकरों ने नवम्बर की तनखा मिलने के बाद काम बन्द कर दिया। मैनेजिंग डायरेक्टर पहुँचा और बोला कि इतने वर्ष से काम कर रहे हो, एक महीने कम पैसे मिलेंगे तो क्या हड़ताल कर दोगे? काम नहीं करोगे? और, कम्पनी की फरीदाबाद फैक्ट्री में बड़ा अधिकारी मेजरमेन्ट चैकरों तथा फाइनल चैकरों को फिनिशिंग विभाग से बाहर ले जा कर बोला कि जनवरी में तनखा 9238 तथा 9700 कर देंगे। पृथला फैक्ट्री में मजदूरों ने 23 और 24 दिसम्बर को फिर काम बन्द किया। गुप्ता एग्जिम (45 सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्री में हैल्परों को 7600 दिये पर टेलरों के नहीं बढाये। तनखा के बाद सिलाई कारीगरों ने रोज 2-2 घण्टे काम बन्द करना शुरू किया। कम्पनी ने 50-100-150 बढाये। टेलरों ने काम बन्द करना जारी रखा तब 300 बढाये जिससे तनखा 8389 ही हुई। टेलर रोज 1-2 घण्टे काम बन्द कर रहे हैं।

एफ सी सी (5 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में कैजुअल वरकरों को नवम्बर की तनखा 7600 दी पर एफिशियेन्सी के जो 5000 मिलते थे वो 3200 रुपये कर दिये। एक शिफ्ट के 150 कैजुअल वरकर इक्ट्ठे हो कर 7 दिसम्बर को यूनियन प्रधान के पास गये। आश्वासन।

सुपर ऑटो (50, 80, 84 सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्रियों में नवम्बर की तनखा नये ग्रेड अनुसार नहीं। मजदूरों ने तनखा लेने से इनकार किया। काम बन्द। फिर कुछ ने पैसे ले लिये। आपस में चर्चायें की। सुपर ऑटो की सब फैक्ट्रियों में रोज आधा घण्टा काम बन्द करना आरम्भ किया। तीन दिन बाद कम्पनी बोली कि नया ग्रेड देंगे और नवम्बर का एरियर 30 दिसम्बर को देंगे।

27/3 मथुरा रोड, फरीदाबाद स्थित ***स्टड्स हैल्मेट*** फैक्ट्रियों में नया ग्रेड लागू कर दिया और ..... और मोल्डिंग विभाग में ई एस आई तथा पी एफ काट कर 12 घण्टे रोज पर 30 दिन के जो 15,000 रुपये फिक्स थे उनकी जगह नवम्बर के लिये ए टी एम में 12,000 भेजे। दोनों फैक्ट्रियों के मोल्डिंग वरकर काम बन्द कर एच आर विभाग गये। आधे घण्टे में ही अधिकारी बोले कि ठीक कर देंगे। वाइजर कोटिंग विभाग के वरकर 12 घण्टे रोज पर 30 दिन के 18-19,000 लेते थे उनके भी नवम्बर के लिये 12,000 रुपये ए टी एम में भेज दिये। मजदूरों को 10 दिसम्बर को पता चला, दोनों फैक्ट्रियों के वाइजर वरकरों में आपस में बातचीतें, 14 दिसम्बर को काम बन्द करने की चर्चा।

जे एल ऑटो (14 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद) फैक्ट्री में हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन नहीं देते थे, तनखा 4800-5200 रुपये। नवम्बर की तनखा 12 दिसम्बर को पहले जितनी दी। यहाँ 14 दिसम्बर को सुबह वरकर फैक्ट्री के अन्दर नहीं गये और रात वाले मजदूर बाहर आ गये। साहबों ने सब को बातचीत के लिये अन्दर बुलाया।

राजषी स्टीयरिंग (3 सैक्टर-27 सी, फरीदाबाद) फैक्ट्री में नया ग्रेड लागू नहीं किया। 7 दिसम्बर से 150 मजदूरों ने ओवर टाइम बन्द कर दिया। धमकियाँ। साहब बोले 800 रुपये से ज्यादा नहीं बढायेंगे। 12 दिसम्बर से जगह-जगह कैमरे लगाये। तनखा 7 तारीख को देते थे, नवम्बर की 17 दिसम्बर को दी। 19 से ओवर टाइम शुरू किया।

मल्टीटेक (20/2 मथुरा रोड, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 150 वरकरों ने 15 दिसम्बर को ओवर टाइम बन्द कर दिया। हफ्ते बाद जनरल मैनेजर ने मीटिंग में कहा कि नया ग्रेड देंगे। 23 दिसम्बर को ओवर टाइम शुरू किया।

प्लॉट 3, 8, 9 सैक्टर-27 बी, फरीदाबाद स्थित ***फ्लैश इलेक्ट्रोनिक्स*** फैक्ट्री में 9 दिसम्बर को हैल्परों को 10 घण्टे की ड्युटी पर 7600 और ऑपरेटरों को 8 घण्टे पर 7980 रुपये दिये। 10 दिसम्बर को सुबह 350 वरकर गेट पर एकत्र हुये। फैक्ट्री के अन्दर नहीं गये। भीड़ रूप में मजदूर श्रम विभाग और केन्द्रीय मन्त्री के आवास पर गये। फिर 11 दिसम्बर को सब मजदूर गेट पर एकत्र हुये। फैक्ट्री के अन्दर नहीं गये। मैनेजमेन्ट ने 10 बजे हैल्परों को 8 घण्टे के 7600 किये और ऑपरेटरों को आश्वासन दिया।

बी एच पी (7 सैक्टर-4, फरीदाबाद) फैक्ट्री में नवम्बर की तनखा पुराने रेट से देने लगे तो ठेकेदार के जरिये रखे मजदूरों ने पैसे नहीं लिये। काम बन्द। मैनेजमेन्ट ने फोन कर ठेकेदार को बुलाया। मैनेजिंग डायरेक्टर भी फैक्ट्री पहुँचा। दोनों ने वार्ता के बाद कहा कि दिसम्बर की तनखा के साथ नवम्बर का एरियर भी देंगे।

लेजर मल्होत्रा (सैक्टर-59, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 4 दिसम्बर को लन्च के समय नया ग्रेड लागू नहीं करने पर हँगामा हुआ। एक घण्टा काम बन्द — साहब बोले कि नया ग्रेड देंगे, एरियर भी देंगे।

पी पी रोलिंग मिल (सैक्टर-25, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 8 दिसम्बर को 2 घण्टे काम बन्द किया तब हैल्परों को 7600 दिये, बाकी को आश्वासन।

मनीष विनाइल (67 सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 100 मजदूर, नया ग्रेड नहीं दिया। अब किसी दिन यह 30 तो किसी दिन वह 40 छुट्टी कर लेते हैं। डायरेक्टर चक्कर काटता रहता है।

(शेष पृष्ठ चार पर)

बहुत कमजोर और बहुत–ही कमजोर हैं कम्पनियाँ

दो-सवा दो सौ वर्ष पहले कारखाना स्थापित करने के लिये मजदूरों को दिये जाने वाले पैसों का पहले-ही प्रबन्ध करना एक अनिवार्य आवश्यकता थी। श्रमिकों को लाने पर खर्च करना, कार्य आरम्भ करने से पहले कामगार पर व्यय करना आम बात थी। फुटकर मजदूरी करने वालों को आज भी काम समाप्त होते ही पैसे देना सामान्य है। सप्ताह बाद, पन्द्रह दिन बाद कार्य का भुगतान वरकर द्वारा लेना अब छिटपुट है।

काफी-कुछ उलट-पलट गया है। यहाँ तो कानून ही बना दिया गया है कि कम्पनियों को फैक्ट्री मजदूर उधार दें , कर्ज दें। जहाँ 1000 से कम श्रमिक हैं वहाँ 37 दिन काम करने के बाद 30 दिन के पैसे दिये जाने का कानून है। और, जहाँ 1000 से ज्यादा कामगार हैं वहाँ 40 दिन कार्य करने के पश्चात 30 दिन के पैसे देने का विधान है। हर वरकर का हर समय कम्पनी पर उधार रहता है। प्रत्येक मजदूर 7 से 37-40 दिन की दिहाड़ियाँ हर समय कम्पनी को कर्ज देती है।

जिन्हें '' सब कुछ हार चुके '' कहा जाता था, सर्वहारा कहा जाता था, वे वेज वरकर-प्रोलिटेरियट-उजरती मजदूर-श्रमिक आज कम्पनियों के ऋणदाता हैं। सब कम्पनियाँ आज बहुत कमजोर हैं। जो कम्पनियाँ 45-50-60 दिन कार्य के बाद 30 दिन के पैसे देती हैं वे बहुत-ही कमजोर कम्पनियाँ हैं और इनकी सँख्या उल्लेखनीय है।

कम्पनियों की अपनी सरकारों ने कम्पनियों की बहुत कमजोर स्थिति को देखते हुये सरकारों की गणना से बनते 50-60 हजार रुपये न्यूनतम वेतन की बजाय 8-10 हजार रुपये निर्धारित किये हैं। और, कम्पनियों के अन्य सहयोगी 15 हजार न्यूनतम वेतन की माँग कर रहे हैं। आज ऐसी बहुत-ही कमजोर कम्पनियाँ काफी हैं जो कि उनकी सरकारों द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन देने की स्थिति में भी नहीं हैं।

डेढ सौ वर्ष पहले, भाप-कोयले की मशीनों के दौर में एक मजदूर को 8 घण्टे कार्य के इतने पैसे कि परिवार का भरणपोषण हो सके वाली बातें सहज थी। आज इलेक्ट्रोनिक्स का दौर है। पहले जो कार्य दिनों में होता था वह आज मिनटों में करते हैं मजदूर । और, आज एक व्यक्ति द्वारा 8-12-16 घण्टे कार्य करना, परिवार के दो-तीन सदस्यों द्वारा काम करना सामान्य बनता जा रहा है। ऐसे में भी, बल्कि, ऐसे में ही, कम्पनियाँ कर्ज में डूबती जा रही हैं , दिवालिया हो रही हैं और कम्पनियों की सरकारें लड़खड़ा रही हैं।

फैक्ट्री मजदूरों के सम्बन्ध में कम्पनियों की सरकारों द्वारा बनाये कुछ कानून यह हैं : 8 घण्टे की ड्युटी; साप्ताहिक अवकाश; निर्धारित न्यूनतम अथवा उससे अधिक वेतन; 7 अथवा 10 तारीख से पहले तनखा का भुगतान; स्थाई कार्य के लिये स्थाई मजदूर; ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से; तीन महीने में 50 घण्टे से ज्यादा ओवर टाइम नहीं; फैक्ट्री में भर्ती वाले दिन ही ई.एस.आई. तथा पी.एफ. लागू करना; एक्सीडेन्ट होने पर एक्सीडेन्ट रिपोर्ट भरना।

करना, अधिक करना...... *(पेज तीन का शेष)*

फरीदाबाद स्थित ***लखानी अरमान ग्रुप*** की फैक्ट्रियों में पुराने ग्रेड से पे-स्लिप बनाई। वरकरों ने पे-स्लिपें फाड़ दी। मजदूरों ने 10 दिसम्बर तक तनखा नहीं ली। फक्ट्रियों में हँगामे बढने लगे। कम्पनी ने हर फैक्ट्री के लिये नई पे-स्लिप बनाई। मकान किराया भत्ता खाना जिसमें शून्य दर्ज रहता था उसमें 1900-2500 रुपये दर्ज किये। मजदूरों ने तनखा ले ली पर कम्पनी की हेराफेरी फौरन पकड़ ली।

नागपाल इन्डस्ट्रीज की फरीदबाद में सैक्टर-59 फैक्ट्री में मजदूरों ने काम बन्द किया। कम्पनी की सैक्टर-6 वाली फैक्ट्रियों में वरकर समूहों में मैनेजरों के पास गये। हैल्परों को 7600 किये थे पर नये ऑपरेटरों के नहीं बढाये थे। आश्वासन। ***सोनिया टैक्सटाइल्स*** (सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्री में हैल्परों के 7600 किये पर ऑपरेटरों के नहीं बढाये। समूहों में वरकर साहब के पास गये। आश्वासन। ***विक्टोरा टूल्स*** (सैक्टर-25, फरीदाबाद) की एक फैक्ट्री में 5 दिसम्बर को नवम्बर की तनखा पुराने ग्रेड से दी। मजदूरों में हलचलें देख कर कम्पनी ने दूसरी फैक्ट्री में तनखा नये ग्रेड अनुसार दी। ***शेखर ब्रदर्स*** (58 सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 300 मजदूरों ने 4 घण्टे काम बन्द किया तब हैल्परों को 7600 दिये।

साकेत फैब्रिकेशन (सैक्टर-58, फरीदाबाद) फैक्ट्री में मजदूरों का मैनेजमेन्ट और यूनियन पर दबाव। नवम्बर की तनखा 12 दिसम्बर तक नहीं।

डी एस बुहीन, पी आई सी एल, आर के फोर्ज...... इम्पीरियल ऑटो इन्डस्ट्रीज की फैक्ट्रियों में हैल्परों को 7600 दे दिये पर ऑपरेटरों के पैसे नहीं बढाये। कई दिन फरीदाबाद बन्द करने की जरूरत पर चर्चायें।

✶ अपने अनुभव व विचार मजदूर समाचार में छपवा कर चर्चाओं को और बढवाइये। नाम नहीं बताये जाते और अपनी बातें छपवाने के कोई पैसे नहीं लगते।

✶ बाँटने वाले फ्री में यह करते हैं। सड़क पर मजदूर समाचार लेते समय इच्छा हो तो बेझिझक पैसे दें।

✶ महीने में एक बार छापते हैं, 13,000 प्रतियाँ निशुल्क बाँटने का प्रयास करते हैं। ***चर्चाओं के लिए समय निकालें।***

कुछ इमेल पते और फोन नम्बर

मुख्य मन्त्री, हरियाणा 0172–2749393, 2749409
< cm@hry.nic.in>

श्रम मन्त्री, हरियाणा 0172–2740212
< labourm-hry@nic.in>

श्रम सचिव, हरियाणा 0172–2713832
< fcle@hry.nic.in>

श्रम आयुक्त, हरियाणा 0172–2701373
< labour@hry.nic.in>

मुख्य मन्त्री, दिल्ली 011–23392020, 23392030
< cmdelhi@nic.in>

श्रम मन्त्री, दिल्ली < gopalrai.delhi@gov.in >

श्रम विभाग दिल्ली < labjlc2.delhi@nic.in >

ई एस आई के लिये :

महानिदेशक < dir-gen@esic.nic.in >
चीफ विजिलैन्स < cvohq-dl@esic.nic.in >

फण्ड (पी एफ) के लिये :

केन्द्रीय भविष्यनिधि आयुक्त < cpfc@epfindia.gov.in >
चीफ विजिलैन्स पी एफ < cvo@epfindia.gov.in >
कम्पलायन्स पी एफ < acc.compliance@epfindia.gov.in >

निमंत्रण

जनवरी में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

Ph. 0129-6567014
E-mail < majdoorsamachartalmel@gmail.com >
E-mail < baatein1@yahoo.co.uk >

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी–551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।